

रेड बॉल क्रिकेट में कोहली बहुत आगे, रो-को टर्म का इस्तेमाल भी सही नहीं



नई दिल्ली, 8 जून। भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की टेस्ट क्रिकेट में कोई तुलना नहीं। रेड बॉल फॉर्मेट में कोहली का करियर रोहित से बहुत ज्यादा आगे है। रोहित अगर इंग्लैंड में ज्यादा टेस्ट खेलते तो उनका बैटिंग औसत 30 का भी नहीं रहता। मांजरेकर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर

वीडियो पोस्ट की और कहा, रोहित और विराट को वनडे में जरूर कम्पेयर किया जा सकता है, लेकिन टेस्ट में दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर रहा। रोहित को विराट से जोड़ना गलत संजय मांजरेकर ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा, "भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, उन्हें रोहित शर्मा और विराट कोहली की कमी महसूस होगी, लेकिन उन पर

इस बात का दबाव नहीं है। इस बयान के एक फैक्ट ने मुझे बहुत परेशान किया, जो बहुत दिनों से मेरे दिमाग में था। वह ये कि विराट और रोहित को बेमतलब एक साथ क्लब किया जा रहा है। दोनों के लिए अब रो-को टर्म का इस्तेमाल भी किया जाने लगा। जो गलत है" वनडे में तुलना ठीक, लेकिन टेस्ट में गलत मांजरेकर ने अपने वीडियो में आगे कहा, "वनडे क्रिकेट में रो-को टर्म का इस्तेमाल मुझे समझ आता है, हालांकि यहां भी कुछ अंतर है, लेकिन उस पर बाद में कभी बात की जाएगी। फिलहाल मैं दोनों की टेस्ट क्रिकेट में तुलना से नाराज हूं।

रेड बॉल क्रिकेट में दोनों की कोई तुलना होनी ही नहीं चाहिए। मैं दोनों को कभी भी एक ही तराजू में नहीं रखूंगा। अगर मैं नंबरस की ही बात करूं तो विराट कोहली ने (साथ्य अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में 12 शतक लगाए हैं। जबकि रोहित 1 ही शतक लगा सके। नंबरस उनके लिए बता रहा हूं, जिन्हें मेरी बातों से फर्क नहीं पड़ता।"

रोहित ज्यादा टेस्ट खेलते तो औसत 30 से कम होता मांजरेकर ने आगे कहा, "रोहित ने देशों में करीब 100 पारियां खेलीं, लेकिन एक ही संचुरी लगा सके। यह शतक भी 2021 में आया। उनका बैटिंग औसत जरूर 40 के करीब है, लेकिन वे थोड़े और टेस्ट खेलते तो औसत गिरकर 30 पर पहुंच जाता। अगर वे इंग्लैंड के खिलाफ ही अगली सीरीज खेलते तो औसत बहुत गिर जाता। जब बात टेस्ट क्रिकेट की आती है, प्लीज रोहित और विराट की तुलना न करें। विराट रेड बॉल क्रिकेट में बहुत ऊपर है, अगर रोहित से उनकी तुलना की जाए। व्हाइट बॉल क्रिकेट में जरूर रो-को टर्म का इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन रेड बॉल क्रिकेट में, प्लीज इसका इस्तेमाल बंद कर दीजिए।"

क्रिकेटर रिकू सिंह और सपा सांसद प्रिया की सगाई हुई

लखनऊ, 8 जून। क्रिकेटर रिकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी लखनऊ के द सेंटरम होटल में हुई। रिकू और प्रिया एक-दूसरे का हाथ पकड़कर हॉल में पहुंचे। स्टेज पर रिकू ने प्रिया को रिंग पहनाई, तो वह भावुक हो गई और फफककर रो पड़ी। रिकू ने उन्हें संभाला। इसके बाद दोनों ने हाथ उठाकर प्यार का इजहार किया और सेरेमनी में आए लोगों को धैर्यू कहा। इस दौरान प्रिया ने पिंग लहंगा पहना था और रिकू व्हाइट शेरावानी पहने थे। रिंग सेरेमनी के समय बैकग्राउंड में शाहरुख खान की फिल्म डंकी का गाना ओ माही, ओ माही बज रहा था। रिंग सेरेमनी के बाद रिकू और प्रिया ने केक काटा और एक-दूसरे को खिलाया। इसके बाद मेहमानों और परिवारवालों के साथ फोटो खिंचवाई और काफी देर तक बातचीत की।
समारोह में उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला और प्रवीण कुमार भी मौजूद रहे। इसके अलावा, गेंदबाज यश दयाल भी समारोह में पहुंचे, जिनकी गेंदों पर रिकू ने लगातार 5 छक्के लगाकर क्रिकेट में स्टारडम हासिल किया था। प्रिया के विधायक पिता तुफानी सरोज ने सभी मेहमानों का वेलकम किया। उन्होंने सपा नेताओं को नसीहत दी कि यह कोई पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, इसलिए फोटो खिंचवाने के लिए धक्का-मुक्की न करें। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- अगर राजनीति और खेल से जुड़े दो लोग अपने विचारों के साथ जुड़ते हैं, तो उनका स्वागत है। हमने उन्हें आशीर्वाद दिया। रिकू ने बहुत कम उम्र में क्रिकेट में बड़ा मुकाम हासिल किया है। वहीं, प्रिया भी बेहद कम उम्र में सांसद बनी हैं। अरसे बाद एक ही जगह नजर आया यादव परिवार का कुनबा रिंग सेरेमनी में यादव परिवार का पूरा कुनबा एक ही जगह पर नजर आया। सबसे पहले सपा गोपाल यादव होटल पहुंचे, इसके बाद शिवपाल, फिर अखिलेश, डिंपल और धर्मेन्द्र यादव एक साथ पहुंचे। सैराई के अलावा, यह परिवार लखनऊ में लंबे समय बाद इकट्ठा हुआ। इससे पहले, मुलायम सिंह यादव जब मेदांता हॉस्पिटल में एडमिट थे, उस समय परिवार के सभी लोग एक साथ मौजूद थे।

नीलामी में तीन खिलाड़ी बिके सबसे महंगे

कालीकट, 8 जून। प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के चौथे सत्र के लिए रविवार को हुई नीलामी में तीन खिलाड़ी सबसे महंगे बिके। चेन्नई ब्लिट्ज ने प्लैटिनम कैटेगरी से जेरोम विनीत सी, कालीकट हीरोज ने स्थानीय खिलाड़ी शमीमुद्दीन और कोच्चि ब्लू स्पाइडर्स ने विनीत कुमार को 22.5 लाख रुपये में खरीदा। आज यहां आयोजित नीलामी में देशभर की टीमों ने बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल करने के लिए बोली लगाई।

इस दौरान चेन्नई ब्लिट्ज ने प्लैटिनम कैटेगरी से जेरोम विनीत सी को खरीदने के लिए चेन्नई ब्लिट्ज, बेंगलुरु टॉरपीडोज

और कोलकाता थंडर बोल्ट्स के बीच कड़ी टक्कर हुई। आखिर में चेन्नई ने 22.5 लाख रुपये की बोली लगाकर उन्हें अपने पाले में किया। विनीत इससे पहले कालीकट हीरोज का हिस्सा थे।

चेन्नई ब्लिट्ज ने प्लैटिनम कैटेगरी से एम. अश्विन राज और समीर चौधरी (राइट टू मैच के तहत) को आठ लाख रुपये में खरीदा। आज यहां आयोजित नीलामी कैटेगरी में स्थानीय खिलाड़ी शमीमुद्दीन को 22.5 लाख रुपये, अनुभवी सेंटर मोहन उक्कापांडियन (राइट टू मैच) और संतोश एस को भी आठ-आठ लाख रुपये में टीम में शामिल किया। कोच्चि ब्लू स्पाइडर्स ने भी नीलामी में दमदार प्रदर्शन

भारतीय स्ववैश स्टार अनाहत सिंह ने जीते दो प्लेयर ऑफ द सीजन पुरस्कार

नई दिल्ली, 8 जून। भारत की नंबर वन महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह को पीएसए अवाइड्स 2024-25 में दोहरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने चैलेंजर वूमैस प्लेयर ऑफ द सीजन अवार्ड के साथ मिस्त्र की अमीना ओरफी के साथ यंग वूमैस प्लेयर ऑफ द सीजन का पुरस्कार भी साझा किया। 17 वर्षीय अनाहत सिंह की चैलेंजर सर्किट में निरंतरता और बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें 2024-25 स्क्वैश सीजन का बेहतरीन खिलाड़ी बना दिया। आपस्त में उन्होंने सीजन की शुरुआत अपने राष्ट्रीय खिताब को सफलतापूर्वक बचाव करते हुए और एचसीएल स्क्वैश टूर कोलकाता में जीत के साथ की थी। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें पीएसए चैलेंजर प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतने में मदद मिली। उन्होंने 11 प्रतियोगिताओं में कुल नौ खिताब

जीते, जिनमें 3के, 9के, 12के और 15के स्पर्धा में आठ चैलेंजर-स्तर की जीत शामिल रही। अनाहत ने टूर पर 29 मैचों में अपराजित रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। इस वर्ष मार्च में मुंबई में आयोजित 15के-लेवेल स्पर्धा इंडियन ओपन में उन्होंने खिताब के सफर में अनुभवी जोशना चिनप्पा को हराया। इसके अलावा इस सीजन में उन्होंने जुनियर स्तर पर भी अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। इस दौरान उन्होंने जनवरी में ब्रिटिश जुनियर ओपन में अंडर-17 का खिताब जीता और भारत को हांगकांग चीन में एशियाई जुनियर टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक दिलाने में मदद की। शानदार फॉर्म की बदौलत उन्हें पीएसए रैंकिंग में शीर्ष 70 में पहुंचने में मदद की और उन्हें भारत की नंबर वन रैंक वाली महिला खिलाड़ी बना दिया।

60 से अधिक एथलीट्स का चयन

जयपुर, 8 जून । राजस्थान एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में जयपुर ज़िले की सीनियर एथलेटिक्स टीम का चयन ट्रायल एसएमएस स्टेडियम में आयोजित किया गया। ट्रायल में करीब 150 से अधिक एथलीट्स ने हिस्सा लिया। जिसमें से 60 का चयन किया गया। ये सभी चयनित एथलीट 18-19 जून को अजमेर में होने वाली राजस्थान राज्य सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे। चयन समिति के संयोजक कार्तिकेश शर्मा एवं डॉ. रामनिवास शर्मा ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी 17 जून को अजमेर में रिपोर्ट करेंगे। एथलेटिक्सचैंपियनशिप के इवेंट 18 और 19 जून को होंगे।

तैराकी प्रचियोगिता 13 से

उदयपुर, 8 जून। उदयपुर जिला तैराकी संघ उदयपुर के तत्वावधान में जिला स्तरीय जुनियर, सब जुनियर तैराकी प्रतियोगिता 13 से 15 जून को बीएन तरणताल पर होगी । संघ के प्रचिव दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि जुनियर ग्रुप प्रथम में 15 से 17 वर्ष जन्म वर्ष 2008, 2009, 2010 (अधिकतम 5 इवेन्ट्स), जुनियर ग्रुप द्वितीय में 13 से 14 वर्ष जन्म वर्ष 2011, 2012 (अधिकतम 5 इवेन्ट्स) तथा सब जुनियर तैराकी प्रतियोगिता ग्रुप तृतीय में 11 से 12 वर्ष जन्म वर्ष 2013 एवं 2014 (अधिकतम 5 इवेन्ट) बालक / बालिका भाग ले सकेगे।

गेंदबाजों ने सबसे ज्यादा 63 विकेट झटके। जोकि ओवरसीज बॉलर्स के द्वारा लिए गए 296 विकेट का 21 है। विदेशी गेंदबाजों ने 5 बार पारी में 4 या इससे ज्यादा विकेट झटके। इनमें से 2 दफा यह कारनामा ऑस्ट्रेलियन ने किया। सीजन में विदेशी बॉलर्स को इकानोमी 9.47 रही है। ऑस्ट्रेलिया :जोश हेजलवुड ने 22 विकेट झटके हैं। वे के टॉप विकेटे टेकर्स हैं। हैदराबाद से खेल रहे पैट कर्मिस ने 16 और दिल्ली कैपिटल्स के लिए मिचेल स्टार्क ने 14 विकेट झटके। कुल 9 बॉलर्स ने हिस्सा लिया। ऑस्ट्रेलियंस ने 190.1 ओवर गेंदबाजी की और 9.72 की इकानोमी से रन खर्च किए। दो गेंदबाज पारी में 4 विकेट ले चुके हैं। इसमें मिचेल स्टार्क के पारी में 5 विकेट शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल मार्श ने सबसे ज्यादा 56 चौके लगाए। मार्श के नाम सबसे ज्यादा 6 फिफ्टी भी रही, साथ ही वे सीजन में शतक बनाने वाले पहले विदेशी भी रहे। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने सभी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा 40 छक्के लगाए।

क्या आप जानते हैं ?... भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रांफी कहा जाता था। जब ये ट्रांफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रांफी कहा जाता था।

दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट-इंडिया-ए को 21 रन की बढ़त



इंग्लैंड लायंस पहली पारी में 327 पर ऑलआउट

नई दिल्ली, 8 जून। इंडिया-ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में 21 रन की बढ़त हासिल कर ली। रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन इंग्लैंड लायंस को टीम 327 रन बनाकर सिमट गई। इंडिया-ए ने पहली पारी में 348 रन बनाए थे, इसलिए उन्हें 21 रन की बढ़त मिली। दूसरे सेशन में इंग्लैंड ऑलआउट नॉर्थैम्प्टन में मुकाबले के तीसरे दिन इंग्लैंड लायंस ने 192/3 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। खलील अहमद ने लंच सेशन में 4 विकेट झटके और इंग्लैंड लायंस का स्कोर 217/7 कर दिया। फरहान अहमद ने 24, जोश टंग ने 36 और एडी जैक ने 16 रन बनाकर टीम को किसी तरह 300 के पार पहुंचाया। अंशुल कम्बोज ने जैक को बोल्ड किया और इंग्लैंड लायंस 327 रन बनाकर

राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड प्रतियोगिता के दूसरे दिन जैसलमेर, पाली जीते



रनो का योगदान दिया। धौलपुर के गेंदबाज देवांश सिंह 38 / 3 विकेट प्राप्त किये। दूसरा मैच - स्पोर्ट्स कम्प्लेक्स टांटिया यूनिवर्सिटी - (बीकानेर - जैसलमेर) जैसलमेर 2 विकेट से जीती पहले खेलते हुए बीकानेर टीम ने अजय गिगना 67, कन्हयालाल 42, जयंत 41, रिजवान 66 व गौरव 36 रनो की सहायता से 247 रनो का स्कोर बनाया। जैसलमेर के गेंदबाज मोहित बोहरा 30 / 2, नरेंद्र सिंह 23 / 2, गणेश 66 / 2 व भुवन शर्मा 1 विकेट प्राप्त किये। लक्ष्य को जैसलमेर टीम ने नरेंद्र सिंह के नाबाद अर्धशतक की सहायता से 8 विकेट के नुकसान पर 248 रन बनाते हुए मैच में 2 विकेट से जीत दर्ज की। टीम के लिए नरेंद्र सिंह नाबाद 65, सिद्धार्थ पुरोहित 49, प्रेम पालीवाल 38 व भुवन शर्मा 21 रनो का योगदान देते हुए टीम को जीत दिलाई।

500 रन बनाने वाले विदेशियों में उनका स्ट्राइक रेट भी सबसे ज्यादा रहा। साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासन ने अपनी टीम के लिए आखिरी मैच में महज 37 गेंद पर शतक लगा दिया। यह टूर्नामेंट इतिहास का चौथा सबसे तेज शतक रहा।

क्या आप जानते हैं ?... भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज जब इंग्लैंड में आयोजित होती है, तब इसे पटौदी ट्रांफी कहा जाता था। जब ये ट्रांफी भारत में खेली जाती है तो इसे एंथनी डी मेलो ट्रांफी कहा जाता था।

दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट-इंडिया-ए को 21 रन की बढ़त



ऑलआउट हुई। इंडिया-ए से कम्बोज और तुषार देशपांडे ने 2-2 विकेट लिए। खलील अहमद को 4 विकेट मिले। वहीं तनुष कोटियन और नीतीश कुमार रेड्डी ने 1-1 विकेट लिया।

इंग्लैंड से 2 प्लेयर्स की फिफ्टी इंग्लैंड लायंस के लिए एमिलियो गे ने 71 और टॉम हैंस ने 54 रन बनाए। बाकी प्लेयर्स फिफ्टी नहीं लगा सके। जॉर्डन कॉक्स ने 45, बेन मैकिनी ने 12 और कप्तान जैम्स रीऊ ने 10 रन बनाए। मैक्स होल्डन 7 और क्रिस वोक्स 5 ही रन बना सके। जॉर्ज हिल खाता भी नहीं खोल पाए। शनिवार को इंडिया ए ने 319/7 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 29 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए। किस वोक्स ने 3 विकेट झटके। जोश टंग और टोस हिल को 2-2 विकेट मिले। इंग्लैंड ने 3 विकेट खोकर 192 रन बना लिए। पहले दिन केएल राहुल ने 116 रनों की शतकीय पारी खेली। राहुल के अलावा, ध्रुव जुरेल (52 रन) ने अर्धशतक जमाया। करण नायर ने 40 और नीतीश कुमार रेड्डी ने 34 रन बनाए। पहले दिन बारिश की वजह से 83 ओवर का ही खेल हो पाया।

खलील, अंशुल और तुषार ने इंडिया-ए को दिलाई 21 रनों की बढ़त

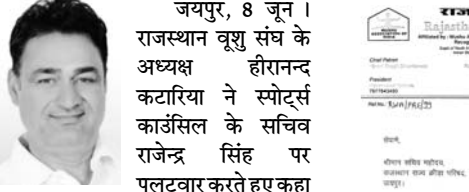
नॉर्थैप्टन, 8 जून। खलील अहमद इक्कशोर दिया। हालांकि पिछल्लु (चार विकेट), अंशुल काम्बोज और तुषार उलझाये रखा। मैक्स होल्डेन (सात) को गेंदबाजी की बदौलत इंडिया ए ने दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को इंग्लैंड लायंस को 327 के स्कोर पर रोक कर 21 रनों की बढ़त दिला दी। आज यहां इंग्लैंड लायंस ने कल के तीन विकेट पर 192 के स्कोर से आगे इंडिया ए को आउटकर इंडिया ए को 3 विकेट से आगे खेलना शुरू किया। खलील अहमद ने जॉर्डन कॉक्स (45) को आउटकर इंडिया ए को चौथी सफलता दिलाई। खलील का अगला शिकार जैम्स रू (10) बने। इसके बाद उन्होंने जॉर्ज हिल (शून्य) और क्रिस वोक्स (पांच) को आउट कर इंग्लैंड लायंस को एक बल्लेबाज को आउट किया।

इरानी और पाओलिनी तथा ग्रैनोल्स और डेबालोक की जोड़ी ने जीते फ्रेंच ओपन युगल के खिताब

पेरिस, 8 जून। इटली की सारा इरानी और स्पेन की जैस्मिन पाओलिनी की जोड़ी ने महिला वर्ग में तथा स्पेन के मार्सेल ग्रैनोल्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन युगल के खिताब अपने नाम किये। आज यहां खेले गये रोलेड गैरोस के आखिरी महिला मैच में महिला वर्ग के फाइनल में मुकाबले में सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी की जोड़ी कजाकिस्तान की अना डैर्निलिना और सर्बियाई अलेक्जेंड्रा कुनिक की जोड़ी को हराकर महिला युगल का खिताब जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त सारा इरानी और पाओलिनी की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान की अना डैर्निलिना और एलेक्जेंड्रा कुनिक की गैर-वरीयता प्राप्त सर्बिया की जोड़ी को दो घंटे 15 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 2-6, 6-1 से हराकर महिला युगल खिताब अपने नाम किया। यह इरानी का अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम महिला युगल खिताब और दूसरा फ्रेंच ओपन खिताब है। वही पुरुष युगल वर्ग में शनिवार रात खेले गये मुकाबले में मार्सेल ग्रैनोल्स और होरासियो जेबालोस ने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।

वूशू सीनियर चैम्पियनशिप की जगह बदलने का मामला

स्पोर्ट्स काउंसिल सचिव राजेन्द्र सिंह ने सुरक्षा का आश्वासन देने की बजाय इंडोर स्टेडियम का आवंटन ही निरस्त कर दिया : कटारिया



जयपुर, 8 जून । राजस्थान वूशू संघ के अध्यक्ष हीरानन्द कटारिया ने स्पोर्ट्स काउंसिल के सचिव राजेंद्र सिंह पर पलटवार करते हुए कहा कि बम की धमकी के कारण जगह बदलने को लेकर एक लेटर लिखा जिसमे सचा तौर पर कहा गया था कि भारतीय वूशू संघ एवं राजस्थान वूशू संघ के तत्वावधान में 14 से 19 जून तक एसएमएस स्टेडियम में 12 वर्ष बाद होने वाली 34वीं वूशू सीनियर (बालक –बालिकाएं) चैंपियनशिप के लिए इंडोर स्टेडियम को बुक करवाया गया था लेकिन बार बार (चार बार) बम होने की धमकी वाली मेल मिलने के कारण आयोजन समिति ने ये टूर्नामेंट किसी और जगह कराने का निर्णय लिया है। सचिव राजेन्द्र सिंह ने सुरक्षा की गारंटी या आश्वासन देने की बजाय इनडोर स्टेडियम का आवंटन ही निरस्त कर दिया। इसीलिए राजस्थान वूशू संघ ने सुरक्षा में महनजर टूर्नामेंट को एसएमएस स्टेडियम के बजाए अब पूर्णिमा कॉलेज में कराने का

निर्णय लेना पड़ा। भारतीय वूशू संघ ने राजस्थान वूशू संघ से पूछा था कि अगर बम की धमकी वगैरह मिलती है तो क्या आप उस स्थिति में नेशनल चैंपियनशिप ऐन वक्त पर कहीं और शिफ्ट कर सकेंगे। इस स्थिति पर विचार करते हुए ही हमने चैंपियनशिप यूनिवर्सिटी में शिफ्ट की। हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वूशू संघ ने स्पोर्ट्स काउंसिल

के अधिकारियों पर आपसी सामंजस्य नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि स्पोर्ट्स काउंसिल की व्यवस्थाओं पर सवालिया निशान खड़े करता है। इससे देशभर में स्पोर्ट्स काउंसिल के अधिकारियों के कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाता है। अब आवंटन निरस्त करने के बाद बदनामी के डर से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं।